

Memorandum of Understanding
Between
The Ministry of New and Renewable Energy of the
Government of the Republic of India
and
The Ministry of Foreign Affairs, DECC of the United Arab Emirates (DECC)

On Renewable Energy Cooperation

The Ministry of New and Renewable Energy of the Government of the Republic of India and The Ministry of Foreign Affairs, the United Arab Emirates (DECC), hereinafter referred to as the “Parties”.

- Driven by the Political will to deepen exchanges between the two countries, particularly in the area of renewable energy;
- Bearing in mind the interest in strengthening cooperation in renewable energy;
- Aiming to contribute to the development of economic relations between both countries by identifying opportunities for bilateral investment;
- Noting the potential offered by the implementation of joint initiatives and projects

Have decided to sign a Memorandum of Understanding on Renewable Energy Cooperation, herein after referred as “the MoU”

Article I
Objective

The objective of this MoU is to establish the basis for a cooperative institutional relationship to encourage and promote bilateral technical cooperation on new and renewable energy on the basis of mutual benefit, equality and reciprocity between the Parties.

Cooperation activities under this MoU shall be in full compliance with the applicable laws and regulation of the Parties. In addition, this MoU is developed in strict accordance with the rules and regulations of each Party and does not create legally binding obligations. Therefore, all activities under this MoU shall be subject to the applicable laws and regulations of the United Arab Emirates and of the Republic of India.

Article II

Forms of cooperation

Cooperation under this MoU may take the following forms

- a) Exchange and training of scientific and technical personnel;
- b) Exchange of available scientific and technical information and data;
- c) Organization of workshops, seminars and working groups;
- d) Know-how and technology transfer in non-commercial terms;
- e) Other forms of cooperation as mutually agreed by the Parties;

Article III

Coordination and Follow-up

In order to coordinate the above-mentioned activities and decide upon project proposals related to design and development of various new and renewable energy technologies including Solar Energy, Wind Energy and Small Hydro, the Parties shall establish a 'Joint Working Group' with the objectives of :

- a. Identifying areas of mutual interest and cooperation for development of new and renewable energy technologies, systems, sub-systems, devices, components, etc
- b. Monitoring and evaluating cooperation activities; and
- c. Any other activity as may be agreed upon by the Parties in Writing

The Joint Working Group may invite other members of scientific institutions, research centers, universities or other entities to join the Committee when deemed necessary.

The Joint Working Group may develop Work Plans in order to implement this MoU and shall within a period of six (6) months submit the Specific Agreement setting out the cooperation activities to be carried out, which should include information related to the project, such as purpose, scope, expected results, resources required, intellectual properties and other aspects.

Article IV
Confidentiality of Information

The Parties may freely use any information and data exchanged in conformity with the provisions of this MoU, except in cases where the Party or the authorized persons providing such information has previously made known the restrictions and reservation concerning its use and dissemination.

The Parties shall take appropriate measures in accordance with their legal systems to respect the restrictions and reservations and to protect intellectual property rights, include commercial and industrial secrets transferred between authorized persons within the jurisdiction of the State of either Party

Article V
Financing

The Parties agree that all costs rising out of cooperation activities under this MoU shall be borne by the Party who incurs them, unless otherwise stipulated in writing.

Article VI
Specific Agreements

Cooperative activities under this MoU shall be established in specific agreements in writing by mutual consent of the Parties and shall be implemented in accordance with the laws of the Parties.

Article VII

Other Agreements

Cooperation under this MoU shall not affect the right and obligations of the Parties under any other international agreements to which they are Party.

All documents arising from this MoU shall be drawn up in the English language. Each Party shall have it officially translated into their language of origin for its execution.

Article VIII

Settlement of Differences

Any difference concerning the interpretation or application of this MoU shall be settled amicably by negotiations between the Parties.

Article IX

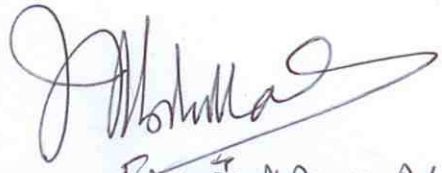
Entry into force, amendment and termination

This MoU shall enter into force on the date of signing and shall remain in force unless either of the Parties terminates this MoU by giving the other Party a written notice of 90 (ninety) days in advance of its decision to terminate this MoU.

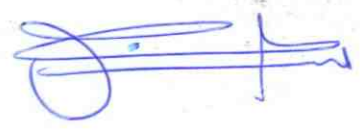
This MoU may be amended by mutual written agreement of the Parties, specifying the date of entry into force of such amendments.

Early termination of this MoU shall not affect the activities conducted by the competent implementing agencies.

Signed at Abu Dhabi..... on the18th..... Day of January 2014.. in two originals, each in the Arabic, Hindi and English languages, all texts being equally authentic. In case of divergence in interpretation, the English text shall prevail.



Name FAROOQ ABDULQADER
Designation :



Name :
Designation :

For and on behalf of the Government
of the Republic of India

For and on behalf of the Government
of the United Arab Emirates

भारत गणराज्य की सरकार
के
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
तथा
संयुक्त अरब अमीरात (डीईसीसी)
के
विदेश मंत्रालय
के बीच
अक्षय ऊर्जा सहयोग
पर
समझौता ज्ञापन

भारत गणराज्य की सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा संयुक्त अरब अमीरात (डीईसीसी) के विदेश मंत्रालय, जिन्हें इसके पश्चात् "पक्ष" कहा गया है :

- दोनों देशों के बीच, विशेषकर अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में आदान-प्रदान को बढ़ाने की राजनीतिक इच्छा से प्रेरित होकर;
- अक्षय ऊर्जा में सहयोग को सुदृढ़ बनाने के कार्य में रुचि लेते हुए;
- द्विपक्षीय निवेश के अवसरों की पहचान करके दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों के विकास में योगदान करने के उद्देश्य से;
- संयुक्त पहलों एवं परियोजनाओं के कार्यान्वयन से प्राप्त होने वाली संभाव्यता को ध्यान में रखते हुए

अक्षय ऊर्जा सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन, जिसे इसके पश्चात् "एमओयू" कहा गया है, पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया है ।

अनुच्छेद- ।

उद्देश्य

इस एमओयू का उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच परस्पर लाभ, समानता और पारस्परिकता के आधार पर नवीन और अक्षय ऊर्जा पर द्विपक्षीय तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने तथा प्रोत्साहित करने हेतु सहयोगात्मक संस्थागत संबंध के लिए आधार तैयार करना है ।

इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत सहयोग संबंधी कार्यकलाप दोनों पक्षों के लागू कानूनों एवं विनियमों के पूर्ण अनुपालन में किए जाएंगे । इसके अतिरिक्त, यह समझौता ज्ञापन प्रत्येक पक्ष के नियमों एवं विनियमों का पूर्ण अनुपालन करते हुए तैयार किया गया है और इससे कानूनी रूप से बाध्य दायित्वों का सृजन नहीं होता है । अतः इस एमओयू के अंतर्गत सभी कार्यकलाप संयुक्त अरब अमीरात और भारत गणराज्य के कानून एवं विनियमों के अधीन होंगे ।

अनुच्छेद- II

सहयोग के तरीके

इस एमओयू के अंतर्गत सहयोग के निम्नलिखित तरीके हो सकते हैं :

- क) वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिकों का आदान-प्रदान और प्रशिक्षण ;
- ख) उपलब्ध वैज्ञानिक एवं तकनीकी जानकारी और आंकड़ों का आदान-प्रदान;
- ग) कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और कार्य समूहों का आयोजन;
- घ) गैर-वाणिज्यिक रूप से जानकारी एवं प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण;
- ड.) पक्षों की पारस्परिक सहमति से सहयोग के अन्य तरीके;

अनुच्छेद- III

समन्वय एवं अनुसरण

ऊपर उल्लिखित कार्यकलापों का समन्वयन तथा सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और लघु-पनबिजली सहित विभिन्न नवीन और अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के अभिकल्पन और विकास से संबंधित परियोजना प्रस्तावों पर निर्णय लेने के उद्देश्य से पक्षों द्वारा एक 'संयुक्त कार्यदल' का गठन किया जाएगा जिसके निम्नलिखित उद्देश्य होंगे :

- क) नवीन और अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, प्रणालियों, उप-प्रणालियों, उपकरणों, घटकों आदि के विकास के लिए परस्पर हित एवं सहयोग के क्षेत्रों की पहचान करना;
- ख) सहयोगात्मक कार्यकलापों का अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन; और
- ग) पक्षों के बीच लिखित में हुई परस्पर सहमति के अनुसार सहयोग के अन्य तरीके ।

संयुक्त कार्यदल में जब कभी आवश्यक समझा जाए, वैज्ञानिक संस्थानों, अनुसंधान केन्द्रों, विश्वविद्यालयों अथवा अन्य इकाईयों के सदस्यों को समिति में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है ।

संयुक्त कार्यदल द्वारा इस एमओयू को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से कार्य योजनाएं तैयार की जा सकती हैं और छः (6) माह के भीतर संचालित किए जाने वाले सहयोग कार्यकलापों का उल्लेख करते हुए एक विशिष्ट करार प्रस्तुत किया जाएगा जिसमें परियोजना से संबंधित जानकारी, जैसे—प्रयोजन, दायरा, संभावित परिणाम, वांछित संसाधन, बौद्धिक संपदा तथा अन्य पहलू शामिल हैं ।

अनुच्छेद-IV

सूचना की गोपनीयता

पक्ष इस समझौता ज्ञापन के उपबंधों के अनुरूप किसी सूचना का उपयोग और आंकड़ों का आदान-प्रदान स्वतंत्रता से कर सकते हैं सिर्फ उन मामलों को छोड़कर जहां ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षों अथवा प्राधिकृत व्यक्तियों को पहले से इसके उपयोग और प्रचार-प्रसार से संबंधित प्रतिबंधों और संरक्षण के संबंध में पता हो ।

पक्ष अपनी कानूनी प्रणालियों के अनुसार प्रतिबंधों और संरक्षणों को ध्यान में रखते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा के लिए समुचित उपाय करेंगे, जिनमें किसी भी पक्ष के

राज्य न्यायाधिकार क्षेत्र के भीतर प्राधिकृत व्यक्तियों के बीच वाणिज्यिक और औद्योगिक गोपनीय बातों का स्थानांतरण शामिल है ।

अनुच्छेद-V

वित्त-पोषण

ये पक्ष स्वीकार करते हैं कि इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत सहयोगात्मक कार्यकलाप पर आने वाली सभी लागतें व्यय करने वाले पक्षों द्वारा वहन की जाएंगीं जब तक कि लिखित रूप से अन्यथा व्यक्त न किया गया हो ।

अनुच्छेद-VI

विशिष्ट करार

इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत सहयोगात्मक कार्यकलाप पक्षों की आपसी सहमति द्वारा लिखित में विशिष्ट करार द्वारा स्थापित किए जाएंगे और पक्षकारों के कानूनों के अनुसार कार्यान्वित किए जाएंगे ।

अनुच्छेद-VII

अन्य करार

इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत सहयोग, किसी अन्य अंतर्राष्ट्रीय करार में पक्षों के किसी अधिकार और बाध्यताओं को प्रभावित नहीं करेगा जिसके लिए वे पक्ष हैं ।

इस समझौता ज्ञापन से संबंधित सभी दस्तावेज अंग्रेजी भाषा में तैयार किए जाएंगे । प्रत्येक पक्ष को इसे निष्पादन के लिए अपनी मूल भाषा में औपचारिक रूप से अनुवादित करवाना होगा ।

अनुच्छेद-VIII

विवादों का निपटान

इस समझौता ज्ञापन की व्याख्या अथवा अनुप्रयोग से संबंधित कोई विवाद पक्षों के बीच आपसी बातचीत के माध्यम से आपस में सुलझाया जाएगा ।

अनुच्छेद-IX

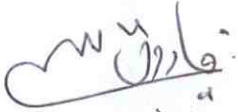
लागू होना, संशोधन और समाप्ति

यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर होने की तिथि से प्रभावी होगा और तब तक लागू रहेगा जब तक कि किसी भी पक्ष द्वारा इस समझौता ज्ञापन को दूसरे पक्ष को 90 (नब्बे) दिनों का निर्णय अग्रिम रूप से देकर इस एमओयू को समाप्त करने का नोटिस न दें ।

इस समझौता ज्ञापन को इन संशोधनों को लागू होने की तिथि को विनिर्दिष्ट करते हुए पक्षों की आपसी लिखित सहमति द्वारा संशोधित किया जा सकता है ।


इस समझौता ज्ञापन की पूर्व समाप्ति सक्षम कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा आयोजित कार्यों को प्रभावित नहीं करेगी ।

इस पर जनवरी माह 2014 के 18 दिवस पर ----- बजे अरबी, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं प्रत्येक में दो मूल प्रतियों पर हस्ताक्षर किए गए, सभी पाठ समान रूप से प्रमाणिक हैं । तथापि, व्याख्या में अस्पष्टता के मामले में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा ।



कृते

भारत गणराज्य की सरकार



कृते

संयुक्त अरब अमीरात की सरकार

नाम :

पदनाम :

नाम :

पदनाम :

مذكرة تفاهم ما بين وزارة الشؤون الخارجية، وإدارة شؤون الطاقة والتغير المناخي لدولة الإمارات، ووزارة الطاقة المتجددة لحكومة جمهورية الهند بشأن سبل التعاون في مجالات الطاقة الجديدة والمتجددة.

إن وزارة الشؤون الخارجية، وإدارة شؤون الطاقة والتغير المناخي لدولة الإمارات، ووزارة الطاقة المتجددة لحكومة جمهورية الهند، والمشار إليهم في هذه الوثيقة "الأطراف"، ومن منطلق رغبتهم في تمتين العلاقات المشتركة خصوصاً في مجالات الطاقة المتجددة، وتطوير العلاقات الاقتصادية عن طريق تعريف مجالات الاستثمار، وبناءً على الإمكانيات التي تتوفر عند تطبيق المشاريع والمبادرات المشتركة، فقد اتفق الأطراف على توقيع مذكرة تفاهم حول ميادين التعاون في مجالات الطاقة المتجددة، ويشار إلى هذه المذكرة في هذه الوثيقة "بالمذكرة".

المادة الأولى

الغرض

يتمثل الغرض من هذه المذكرة في وضع أساس لعلاقة مؤسسية تعاونية تهدف إلى تشجيع وتطوير التعاون الفني المتبادل في مجالات الطاقة الجديدة والمتجددة بما يعود بالنفع على كافة الأطراف.

تلتزم أنشطة التعاون المنصوص عليها في هذه المذكرة بكافة القوانين والتنظيمات النافذة لدى كافة الأطراف، بالإضافة إلى ذلك يتم تطوير هذه المذكرة مع مراعاة الالتزام الصارم بقوانين وتنظيمات كل طرف، ودون الإفضاء إلى أية التزامات قانونية. وعليه، تخضع كافة الأنشطة التي ستمخض عنها هذه المذكرة لكافة القوانين والتنظيمات النافذة لدولة الإمارات العربية المتحدة وجمهورية الهند.

المادة الثانية

أشكال التعاون

يتخذ التعاون وفقاً لهذه المذكرة الأشكال التالية :

- أ. تبادل وتدريب الكوادر العلمية والفنية ؛
- ب. تبادل المعلومات والبيانات العلمية والفنية المتوفرة ؛

- ج. تنظيم ورشات العمل والندوات ومجموعات العمل ؛
د. نقل التكنولوجيا المتعلق بالمعرفة العملية في شروط غير تجارية ؛
هـ. أشكال أخرى من التعاون وفقا لما تم الاتفاق عليه بشكل متبادل من قبل الأطراف ؛

المادة الثالثة

التسيق والمتابعة

من اجل تسيق الأنشطة المذكورة اعلاه واتخاذ القرارات حول مقترحات المشروع المرتبطة بتصميم وتطوير تقنيات الطاقة المتعددة الجديدة والمتجددة بما في ذلك الطاقة الشمسية ، الطاقة المستمدة من الرياح ومشاريع الطاقة المائية الصغيرة يتوجب على الأطراف إنشاء "مجموعة عمل مشتركة" لإغراض :

- أ. تحديد مجالات الاهتمام والتعاون المتبادل من اجل تطوير تقنيات ، نظم ، نظم فرعية ، أجهزة ومكونات جديدة متعلقة بالطاقة المتجددة .. الخ.
ب. مراقبة وتقييم أنشطة التعاون ؛ و
ج. أي نشاط آخر وفقا لما قد تتفق عليه الأطراف خطيا .

يجوز لمجموعة العمل المشتركة دعوة أعضاء آخرين من مؤسسات علمية ، مراكز بحث ، جامعات او هيئات أخرى للانضمام إلى اللجنة عندما يكون ذلك ضروريا .

يجوز لمجموعة العمل المشتركة تطوير خطط عمل من اجل تنفيذ هذه المنكرة ، ويجب ضمن فترة (٦) أشهر تقديم الاتفاقية الخاصة التي توضح أنشطة التعاون الواجب تنفيذها ، والتي ينبغي أن تشمل معلومات مرتبطة بالمشروع مثل الغرض والمجال والنتائج المتوقعة والموارد المطلوبة والملكيات الفكرية وجوانب أخرى .

المادة الرابعة

سرية المعلومات

يجوز للأطراف استخدام أي من المعلومات والبيانات المتبادلة بحرية بما يتوافق مع أحكام مذكرة التفاهم هذه باستثناء حالات تكون فيها الأطراف أو الأشخاص المخولون بتقديم مثل هذه المعلومات قد أوضحوا مسبقاً القيود والتحفظات المتعلقة باستخدامها ونشرها .

يجب على الأطراف اتخاذ التدابير الملائمة وفقاً للأنظمة القانونية الخاصة بهم من أجل احترام المحددات والتحفظات ومن أجل حماية حقوق الملكية الفكرية ، وتضمين الأسرار التجارية والصناعية التي يتداولها الأشخاص المخولون ضمن صلاحيات دولة أي من الأطراف .

المادة الخامسة

التمويل

تتفق الأطراف بأن كافة التكاليف الناتجة عن أنشطة التعاون وفقاً لمذكرة التفاهم هذه يجب تحملها من قبل الطرف الذي ينفقها ما لم يكن هناك نصاً خطياً بخلاف ذلك .

المادة السادسة

اتفاقيات محددة

يتوجب إقامة الأنشطة التعاونية وفقاً لهذه المذكرة في اتفاقيات محددة خطياً وبالموافقة المتبادلة من الأطراف ويتوجب تنفيذها وفقاً للقوانين المتعلقة بالإطراف .

المادة السابعة

اتفاقيات أخرى

يجب أن لا يؤثر التعاون وفقاً لهذه المذكرة على حقوق والتزامات الأطراف بموجب أي اتفاقيات دولية أخرى التي هي طرف فيها .
تحرر كافة الوثائق الناشئة عن هذه المذكرة باللغة الانجليزية ويلتزم كل طرف الاحتفاظ بها مترجمة بطريقة رسمية إلى لغته الاصلية لأغراض التنفيذ.

المادة الثامنة

تسوية المنازعات

في حال وقوع أي خلاف بشأن تفسير أو تطبيق المذكرة يتم فض الخلاف بشكل ودي ما بين الأطراف.

المادة التاسعة

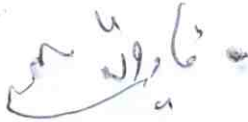
تنفيذ، وتعديل، وإلغاء المذكرة

تدخل هذه المذكرة حيز التنفيذ بدءاً من تاريخ التوقيع، وتبقى نافذة ما لم يقدم أحد الأطراف على إلغائها عن طريق تسليم إشعار خطي للأطراف الأخرى بهذا الشأن، وعلى أن تكون مدة الإشعار تسعين (٩٠) يوماً تسبق تاريخ الإلغاء.

يجوز تعديل هذه المذكرة بناءً على اتفاق خطي متبادل ما بين الأطراف، وعلى أن يتم تحديد تاريخ تفعيل التعديل الجديد.

لا يمس الإلغاء المبكر لهذه المذكرة بمهام الوكالات المختصة بالتنفيذ.

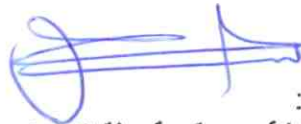
تم التوقيع في تمام الساعة (الوقت) بيوم (التاريخ) على نسختين أصليتين تم تحريرهما باللغة العربية، واللغة الهندية، واللغة الإنجليزية دون الانتقاص من مصداقية أي من اللغات، وفي حال الاختلاف حول تفسير أي من النصوص، فيستمر الرجوع إلى النص الإنجليزي باعتباره النص النهائي.



الاسم:

المنصب:

عن وبالنابة عن حكومة جمهورية الهند



الاسم:

المنصب:

عن وبالنابة عن حكومة دولة الإمارات العربية المتحدة